<u>श्री गोरिटयाला वीर महेन्दर, सदस्य (आर्थिक एवं वाणिज्यिक), केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (केविप्रा)</u>

गोरिटयाला वीर महेन्दर, केविप्रा के सदस्य (ईएंडसी) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उनके पास विद्युत क्षेत्र में 37 वर्षों का लम्बा अनुभव है। उन्होंने उस्मानिया यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में विश्वविद्यालय रैंक एवं विशेष योग्यता प्राप्त की है। उन्होंने 1983 में एनटीपीसी में अभियान्त्रिकी कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने एनटीपीसी के रामागुंडम फैसिलिटि में काम करते हुए उस्मानिया विश्वविद्यालय से एमबीए की पढ़ाई पूरी की। उसके बाद उन्होंने एशियाई विकास बैंक की छात्रवृत्ति के साथ मनीला, फिलीपींस के एशियाई प्रबंधन संस्थान से विकास प्रबंधन में परास्नातक किया। उनके पास लागत लेखा में प्रमाण पत्र भी है। एनटीपीसी में, उनका अनुभव सुपर ताप विद्युत संयंत्र को चालू करने, प्रचालन और रखरखाव, तकनीकी सेवाओं, दक्षता प्रचालन सेवाओं और वाणिज्यिक क्षेत्रों में है। वे ए पी विद्युत विनियामक आयोग में संयुक्त निदेशक (प्रशुल्क) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे और उन्होने आंध्र प्रदेश विद्युत क्षेत्र में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे 2013 में आरईसी लिमिटेड में कार्यभार ग्रहण किया और निकाय मूल्यांकन प्रभाग के प्रमुख के रूप में नए वित्तीय उत्पादों एवं नए निवेशों की शुरुआत की। प्रवर्तक योगदान के रूप में हाईब्रिड निवेशों पर विचार करते हुए नवीकरीय ऊर्जा वित्तपोषण तथा पहली बार विद्युतचालित बसों के वित्तपोषण में इनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। केविप्रा में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, वे आरईसी लिमिटेड में अधिप्रापण और संविदा प्रभाग में कार्यरत थे तथा गवर्मेंट ई मार्केट (जीईएम) कार्यान्वयन के प्रमुख थे।

****